विषय : अर्थशास्त्र (ECONOMICS)

1. अर्थव्यवस्था का ढाँचा, राष्ट्रीय आय का लेखीकरण।
2. आर्थिक विकल्प (Economical Choice) – उपभोक्ता व्यवहार – उत्पादक व्यवहार और बाजार के रूप।
3. निवेश सम्बन्धी निर्णय तथा आय और रोजगार का निर्धारण–आय, वितरण और वृद्धि के समृद्ध आर्थिक प्रतिरूप।
4. बैंक व्यवस्था–योजनाबद्ध–विकासशील अर्थव्यवस्था के केन्द्रीय बैंक व्यवस्था के उद्देश्य और साधन तथा साख सम्बन्धी नीतियाँ। झारखण्ड के वाणिज्य बैंकों के क्रियाकलाप।
5. करों के प्रकार और अर्थव्यवस्था के बजटीय और राजकोषीय नीति के उद्देश्य और साधन।
6. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रशुल्क पद्धति, विनिमय दर, अदायगी शोध, अतंर्राष्ट्रीय मुद्रा व बैंक संस्थान।
7. भारतीय अर्थव्यवस्था, भारतीय अर्थ नीति के निदेशक सिद्धांत, योजनाबद्ध वृद्धि और वितरण न्याय–गरीबी का उन्मूलन। भारतीय अर्थव्यवस्था का संस्थागत ढाँचा–संघीय शासन संरचना–कृषि औद्योगिक क्षेत्र, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र, राष्ट्रीय आय, उसका क्षेत्रीय और क्षेत्रीय वितरण कहाँ–कहाँ और कितनी।
8. कृषि उत्पादन–कृषि नीति–भूमि सुधार–प्रौधोगिकीय परिवर्त्तन–औद्योगिक क्षेत्र से सह–सम्बन्ध।
9. औद्योगिक उत्पादन–औद्योगिक नीति। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र क्षेत्रीय वितरण–एकाधिकार प्रथा का नियंत्रण और एकाधिकार।
10. कृषि उत्पादों और औद्योगिक उत्पादों के मूल्य निर्धारण सम्बन्धी नीतियाँ अधिप्राप्ति और सार्वजनिक वितरण।
11. बजट की प्रवृत्तियाँ और राजकोषीय वितरण।
12. मुद्रा और साख प्रवृत्तियाँ और नीति–बैंक व्यवस्था और वित्तीय संस्थाएँ।
13. वदेशी व्यापार और अदायगी कोष।
14. भारतीय योजना–उद्देश्य, व्यूह, रचना अनुभव और समस्याएँ।
15. झारखण्ड की अर्थ व्यवस्था :– कृषि एवं उद्योग के सापेक्षिक स्थान, आर्थिक विकास के मार्ग की रूकावटें, गरीबी एवं बेरोजगारी, भूमि सुधार की प्रगति।